

HRA an Usiya The Gazette of India

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—कृष्य 3—उप-खण्य (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

ਸੰ∘ 7] No 7| नई विक्लो, सुकवार, जनवरी 2, 1987/पोष 12, 1908 NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 2, 1987/PAUSA 12, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1987

्रादेश

सा. का. नि. 10(ग्र):→ग्रावश्यक वस्तु ग्रिधिनियम 1955 (1955 का 10) का धारा 3 द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा मिट्टी का तेल (प्रयोग निर्वेधन) श्रावेश, 1966 मे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित श्रावेश बनाती है, शर्यात्:—

- (1) यह भादेश मिट्टी का तेल (प्रयोग निर्वेधन) संशोधन भावेस,
 1987 है।
- (2) यह सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।
- मिट्टी का तेल (प्रयोग निर्वेषन) ग्रादेश, 1966 (ग्रागे इसे उक्त ग्रादेश के रूप में फहा प्राएगा) में खंड - 1 में कोष्ठक और शब्द

"(प्रयोग निर्वेशन)" के स्थान पर कोष्ठक और मन्द "(प्रयोग निर्वेशन और मृत्य निर्धारण)" पढ़े जाएंगे।

3. उक्त व्यावेश के खंड 4 के उपखंड (1) में शब्द "ऐसे प्रयोजन के लिए" के स्थान पर शब्द "किसी भी औद्योगिक प्रयोजन के लिए" पढ़े जाएंगे।

4. खंड 4-के बाद निम्नलिखित खंड जोड़ा जाएगा:--

"5 अधिगिंग प्रयोजन के लिए मिट्टा के लेल का मूक्य निर्धारण :—सेल के मूल्य निर्धारण के संबंध में कुछ समयावधि के लिए प्रवृत्त किसी अध्य आदेश में अंतिविष्ट होने पर भी खंड 4 में उपिष्ट किसी औद्यौगिक प्रयोजन के लिए भंडार स्थल पर के मिट्टा तेल का मूख्य 3039.06 रुपए प्रति कि. ली. होगा और इस प्रयोजन के लिए मिट्टी का तेल उसे प्रयोग करने वाले धनुजापान्त व्यक्ति द्वारा ही सीधे उस तेल कम्पनी से प्राप्त किया जाएगा जिसे धनुजापना में निविष्ट किया जाएगा।

> [फाईल सं. पी -20014/4/86 पी पी] टी. एन. श्वार, रात्र, संयुक्त संविध

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 2nd January, 1987 ORDER

G.S.R. 10 (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Kerosene (Restriction on Use) Order, 1966, namely:—

- (1) This order may be called the Kerosene (Restriction on Use) Amendment Order, 1987.
 - (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In the Kerosene (Restriction on Use) Order, 1966, (hereinafter referred to as the said Order) in clause 1, for the brackets and words "(Restriction on Use)", the brackets

- and words "(Restriction on Use and Fixation of price)" shall be substituted.
- 3. In clause 4 of the said Order, in sub-clause (1), for the words "for such purpose", the words "for any industrial purpose" shall be substituted.
- 4. After clause 4, the following clause shall be inserted, namely:—
 - "5. Fixing of price of kerosene to be used for industrial purpose.—Notwithstanding anything contained in any other order relating to fixation of price of kerosene for the time being in force, the ex-storage price of kerosene for any industrial purpose referred to in clause 4 shall be Rs. 3039.06 per Kilo Litre and Kerosene for such purpose shall be drawn by the person permitted to use it, directly from the Oil Companies, to be indicated in the permit."

[File No. P-20014|4|86-PP] T. N. R. RAO, Jt. Secy.